रिकार्ड नोट/ समीक्षा

" जागरुकता बढ़ाने हेतु विषय आधारित स्वास्थ्य व्याख्यान" के क्रम में दिनांक 19.07.2018 को 4.00 बजे अपराह्न, स्रोत केन्द्र, कमरा सं. 445/ए, निर्माण भवन, नई दिल्ली में "नेत्र देखभाल" विषय पर एक परस्पर संवादमूलक सत्र का आयोजन किया गया|

इस परस्पर संवादमूलक सत्र में निम्नलिखित विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया व भाग लिया|

1) डा0 प्रोमिला गुप्ता, प्रधान सलाहकार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

2) डा0 इन्दु ग्रेवाल, सीएमओ, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

3) डा0 (प्रोफेसर) प्रवीन वशिष्ठ, प्रभारी, समुदायक नेत्र विज्ञान विभाग, ऑप्थाल्मिक सांइन्स हेतु डा0 आरपी सेन्टर, एम्स, नई दिल्ली|

2. डा0 तनु जैन, एडीजी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय तथा नोडल अधिकारी ने जागरुकता कार्यक्रम का समायोजना किया तथा उद्घोषणा भी की| आरंभ में, उन्होंने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डा0 एस वेंक्टेश, प्रधान सलाहकार, डा0 प्रोमिला गुप्ता व अन्य सहभागियों का अभिवादन किया तथा अतिथि व्याख्याताओं का परिचय करवाया|

3. डा0 एस वेंक्टेश, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा ने अपने उद्घाटन टिप्पणी में परपस्पर संवादमूलक सत्र द्वारा जागरुकता बढ़ाने के तरीके एवं प्रयास की प्रशंसा की| उन्होंने सभी से स्वस्थ नेत्र देखभाल की आदतों को बनाए रखने की सलाह दी|

4. डा0 इंदु ग्रेवाल, सीएमओ ने अंधेपन तथा नेत्र विकार के नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीबी व वीआई) पर संक्षिप्त प्रस्तुति प्रस्तुत किया| उन्होंने यह सूचित किया कि एनपीसीबी व वीआई को 100 प्रतिशत केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रुप में वर्ष 1976 में आरंभ किया गया था जिसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक अंधेपन के फैलाव में 0.3 % तक कम करने का लक्ष्य है| उन्होंने यह स्पष्ट किया कि कार्यक्रम का उद्देश्य, इलाज योग्य अंधेपन की पहचान करना तथा उपचार द्वारा टाले जाने योग्य अंधेपन के बैकलॉग में कमी करना, "सभी के लिए नेत्र स्वास्थ्य" हेतु एनपीसीबी की कार्यनीति को विकसित व सुदृढ़ीकरण करना तथा दृश्य विकार की रोकथाम करना, पहचान किए गए नेत्र देखभाल संस्थानों का सुदृढ़ीकरण तथा उन्नयन करना, देश के

सभी जिलों में उच्च गुणवत्ता वाले व्यापक नेत्र देखभाल प्रदान करने हेतु अतिरिक्त मानव संसाधन को विकसित करना, नेत्र देखभाल पर समुदायिक जगरुकता को बढ़ावा देना तथा निवारक उपायों पर जोर देना तथा नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने में स्वैच्छिक संगठनों /निजी चिकित्सकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है| उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनपीसीबी नामक योजना के तहत प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक नेत्र देखभाल स्तर पर नेत्र देखभाल सेवाएं निशुल्क उपलब्ध हैं|

5. तत्पश्चात, डा0 प्रवीन वशिष्ठ, प्रभारी, समुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग, ऑपथैल्मिक साइंस हेतु डा0 आर पी सेन्टर, एम्स, नई दिल्ली ने विभिन्न नेत्र रोग, नेत्र रोगों के कारण तथा आंखों को क्षति से बचाने के लिए सामान्य बचाव से संबंधित लघु फिल्म दिखाया। उन्होंने पूरे विश्व में तथा भारत में दृश्य विकार को मोतीयाबिन्द का मुख्य कारण होने पर बल दिया जिसके पश्चात अपवर्तक त्रुटियों, ग्लूकोमा और मधुमेह रेटिनोपैथी अन्य कारण हैं| उपर्युक्त दिए गए सभी नेत्र रोगों की जांच, प्रारंभिक निदान तथा /समय पर उपचार के द्वारा ठीक किया जा सकता है या रोका जा सकता है|

6. तत्पश्चात, विषय विशेषज्ञों तथा प्रतिभागियों के बीच एक परस्पर संवादमूलक सत्र का आयोजन किया गया| डा0 प्रोमिला गुप्ता, प्रधान सलाहकार तथा डा0 प्रवीन वशिष्ठ, औप्थालमिक साइंस हेतु डा0 आरपी सेन्टर ने मोतियाबिन्द, मधुमेह, रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा, कम दृष्टि, रिफ्रेकशन इत्यादि जैसे नेत्र रोगों पर प्रतिभागियों के अनेक प्रश्नों का उत्तर दिया| उन्होंने यह स्पष्ट किया कि टैकनालॉजी तथा उपकरणों में उन्नति के कारण मोतियाबिन्द की सर्जरी अब जटील प्रक्रिया नहीं है| उन्होंने यह भी सलाह दी कि लोगों को आंखों की बिमारी, यदि कोई हो तो, का समय पर पता लगाने के लिए वर्ष में एक बार आंखों का चैकअप कराना चाहिए| विशेष रुप से, मधुमेह के मरीजों को डायबेटिक रेटिनोपेथी से अपनी आँखों को बचाने के लिए नियमित रुप से नेत्र की जाँच नियमित रुप से नेत्र विशेषज्ञों के पास जाना चाहिए| विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे अपने परिवार के सदस्यों, विशेष रुप से बड़ों और बच्चों के नेत्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए समय पर नेत्र की जांच करना सुनिश्चित करें|

7. डा0 प्रोमिला गुप्ता, प्रधान सलाहकार ने परस्पर संवादमूलक सत्र का समापन करते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता, आँखों को न रगड़ने, आंखों को सूर्य की किरणों से बचाने, धुम्रपान से बचने, संतुलित भोजन करने, पर्याप्त निद्रा लेंने, कार्य स्थल में उचित प्रकाश की व्यवस्था करने, मोबाइल, कम्प्यूटर तथा टेलीविजन इत्यादि जैसे इलैक्ट्रानिक गेजेट का अत्यधिक प्रयोग न करने जैसे नेत्र स्वास्थ्य हेतु विभिन्न उपयोगी टिप्स दिए|

8. नेत्र स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले पास्टर, पेम्फलेट तथा बुकलेट के रुप में आईईसी सामग्री को प्रतिभागियों को भी बांटा गया।

9. महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा ने अतिथि व्याख्याताओं को तुलसी का पौधा देकर उन्हें सम्मानित किया।

10. डा0 तनु जैन, एडीजी ने महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा, प्रधान सलाहकार, अतिथि व्याख्याता तथा सभी प्रतिभागियों को नेत्र देखभाल पर उनकी भागीदारी तथा विचार विमर्श करने के लिए धन्यवाद दिया।

11. इस जागरुकता सत्र को सभों ने सराहा तथा यह सफलतापूर्वक समाप्त हुई।